

मंडलक पुं. (तत्.) 1. वृत्त, बिंब; दर्पण, आईना
2. जिला, प्रांत 3. समूह, संग्रह, गुट 4. सफेद
कोढ़ जिसमें गोल चकत्ते हो जाते हैं।

मंडलाकार वि. (तत्.) गोल आकृति का, गोलाकार।

मंडलायित वि. (तत्.) जिसे घेरे में डाल दिया गया
हो, गोलाकार किया हुआ।

मंडली स्त्री. (तत्.) मंडल का स्वामी, समवाय,
समूह पुं. 1. बटवृक्ष 2. विलाव 3. सूर्य।

मंडलीक पुं. (तत्.) मंडल का शासक या राजा,
मंडलेश्वर।

मंडलेश्वर पुं. (तत्.) 1. किसी मंडल का मुखिया
या प्रमुख 2. किसी संप्रदाय के साधुओं का मान्य
मठाधीश टि. कहीं-कहीं किसी संप्रदाय जैसे
'उदासीन संप्रदाय', दशनामी संप्रदाय आदि में मान्य
मठाधीशों को महामंडलेश्वर कहा जाता है।

मंडित वि. (तत्.) विभूषित, सजाया हुआ, भरा
हुआ या युक्त, छाया हुआ, व्याप्त।

मंडी स्त्री. (तत्.) थोक में माल बिकने का हाट या
बाजार। जैसे- अनाज मंडी, फल की मंडी, सब्जी
मंडी आदि मुहा. मंडी लगाना- बाजार का आरंभ
होना।

मंडुकप्लुति स्त्री. (तत्.) मेंढक की छलांग या कूद,
मेंढक का उछलना।

मंडूक पुं. (तत्.) 1. दर्दुर, मेंढक 2. प्राचीन समय
का एक वाद्य 3. नृत्य का एक प्रकार।

मंडूकपर्णी स्त्री. (तत्.) 1. आयुर्वेद में एक विशेष
प्रकार की वनस्पति जिसे ब्राह्मी बूटी कहते हैं 2.
मजीठ।

मंडूर पुं. (तत्.) लोहे का जंग या मैल, यह औषधि
के रूप में प्रयोग किया जाता है।

मंडूरवर्णी वि. (तत्.) लोहे के जंग जैसे रंग वाला।
(रक्तवर्ण जैसा) पानी में तैरने वाले बत्तख का
रंग लाल-भूरा जैसा होता है।

मंतव्य पुं. (तत्.) धारणा, विचार, अभिमत।

मंत्र पुं. (तत्.) 1. गोपनीय रहस्य, राय, मशविरा,
सलाह, गुप्त विचार 2. वैदिक या पौराणिक

वाक्यांश या सूत्रवाक्य (मंत्र) जिसे गोपनीय
रखकर यज्ञ आदि अनुष्ठान किए जाते हैं 3.
वेदों के गोपनीय मंत्रों का संग्रह।

मंत्रकार पुं. (तत्.) मंत्र की रचना करने वाले ऋषिगण।

मंत्रगान पुं. (तत्.) छंदोबद्धता के साथ गाया जाने
योग्य मंत्र का गायन, मंत्र का सस्वर वाचन,
प्रायः 'सामवेद' के मंत्रों का सस्वर गायन होता है
और इसे 'सामगान' कहते हैं।

मंत्रगृह पुं. (तत्.) मंत्रणा या गुप्त विचार/सलाह
करने का गुप्त गृह या स्थान।

मंत्रणा स्त्री. (तत्.) विचार, परामर्श, सलाह, कई
लोगों के विचार-विनिमय से निर्धारित विचार।

मंत्रपूत वि. (तत्.) मंत्रोच्चारण द्वारा शुद्ध, पवित्र
किया हुआ; किसी वस्तु को मंत्र पढ़कर पवित्र
कर दिया गया हो।

मंत्रविद्या स्त्री. (तत्.) 1. वह विद्या जिसमें
मंत्रशास्त्र का विवरण हो 2. तंत्र-मंत्र का ज्ञान
कराने वाला शास्त्र, जादू की विद्या।

मंत्रसंहिता स्त्री. (तत्.) वेद के समस्त मंत्रों या
सूक्तों का संकलन (संग्रह)।

मंत्रिणी स्त्री. (तत्.) विचार या मंत्रण देने वाली
स्त्री।

मंत्रित पुं. (तत्.) मंत्र द्वारा पवित्र किया हुआ,
अभिमंत्रित।

मंत्रित्व पुं. (तत्.) मंत्री का काम, मंत्री का भाव।

मंत्रिपरिषद् स्त्री. (तत्.) सभी स्तर के मंत्रियों की
सभा या समूह टि. प्रदेश सरकार में मुख्यमंत्री
और केंद्रीय सरकार में प्रधानमंत्री, मंत्रिपरिषद्
का गठन करते हैं। council of ministers

मंत्रिमंडल पुं. (तत्.) राज्य सरकार या केंद्र सरकार
के मंत्रियों का समुदाय।

मंत्री पुं. (तत्.) 1. राय-मशविरा देने वाला, परामर्शक,
सलाहकार 2. अमात्य 3. भारत में केंद्रीय या
राज्य सरकार का वह मुखिया जिसके परामर्श से
उस विभाग का काम होता है।